हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 20 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ

मण्डला। जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम पंचायत पोंडीमाल, बारोंची, तरावानी, छिंदगांव एवं लावरमुड़िया में जनभागीदारी के माध्यम से जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा तालाब, कुओं सहित अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जिले में निरंतर संचालित किया जाएगा, जिससे जल स्त्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके तथा आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित हो। जिला प्रशासन द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने आसपास के जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने में सहयोग करें।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर प्रशासन की सख्ती, 5 सिलेंडर जब्त

मण्डला। जिले की तहसील बम्हनी बंजर क्षेत्र में प्रशासन ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक दुरुपयोग के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सघन जांच अभियान चलाया। एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान कई होटल और ढाबों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अवैध उपयोग सामने आया। जांच के दौरान बब्बू ढाबा और मयूर ढाबा से एक-एक तथा शुभ रेस्टोरेंट से तीन घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इस प्रकार कुल 5 सिलेंडर व्यवसायिक उपयोग में पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

मंडला में स्वास्थ्य महकमा बेलगाम: मुख्यमंत्री के आदेशों की खुली अवहेलना

सीएमएचओ कार्यालय में पसरा सन्नाटा

*** सुबह लगभग 12 बजे तक खाली पड़ी रही कुर्सियाँ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। जिस विभाग पर आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन की जिम्मेदारी होती है, वही विभाग अब लापरवाही, मनमानी और अनुशासनहीनता का प्रतीक बनता जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) कार्यालय की हालत यह है कि यहां नियम-कायदे जैसे कोई मायने ही नहीं रखते।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में स्पष्ट और कड़े निर्देश जारी किए थे कि प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इस आदेश का उद्देश्य सरकारी कामकाज को समयबद्ध बनाना और आम जनता को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना था। लेकिन मंडला जिले में इन निर्देशों की जिस तरह अनदेखी हो रही है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है।

कार्यालय में सन्नाटा, कुर्सियां खाली

हरिभूमि की टीम जब CMHO कार्यालय की जमीनी हकीकत जानने पहुंची, तो वहां का दृश्य हैरान कर देने वाला था। कार्यालय परिसर में सन्नाटा पसरा हुआ था। जहां आम दिनों में कर्मचारियों की आवाजाही और कामकाज का माहौल होना चाहिए, वहां कुर्सियां खाली थीं और टेबल पर फाइलें धूल खा रही थीं।

बाबू से लेकर अधिकारी तक अधिकांश कर्मचारी अपनी सीटों से नदारद थे। मुश्किल से एक-दो कर्मचारी ही समय पर उपस्थित नजर आए। इससे साफ जाहिर होता है कि यहां उपस्थिति रजिस्टर और शासन के आदेश केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि स्वयं CMHO मैडम भी कार्यालय में मौजूद नहीं थीं। जब विभाग के प्रमुख अधिकारी ही समय पर उपस्थित नहीं होंगे, तो अधीनस्थ कर्मचारियों से अनुशासन की अपेक्षा करना बेमानी है।

सरकारी आदेशों की खुली धज्जियां

प्रदेश सरकार द्वारा समयबद्ध उपस्थिति को लेकर सख्ती इसलिए बरती गई थी, ताकि सरकारी कार्यालयों में फैली ढिलाई पर लगाम लगाई जा सके। लेकिन मंडला के CMHO कार्यालय में यह सख्ती पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। यहां कर्मचारी अपने मनमर्जी से आते-जाते हैं। न कोई तय समय, न कोई जवाबदेही। ऐसा प्रतीत होता है मानो यह कार्यालय नहीं, बल्कि निजी व्यवस्था हो, जहां हर कोई अपने हिसाब से नियम तय कर रहा हो।

यह स्थिति न केवल शासन के आदेशों की अवहेलना है, बल्कि यह आम जनता के साथ खुला अन्याय भी है, जो अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन कार्यालयों के चक्कर लगाती है।

जिम्मेदारों का गैर-जिम्मेदाराना रवैया

जब इस पूरे मामले पर स्वास्थ्य अधिकारी से बात की गई, तो उनका जवाब भी उतना ही चौंकाने वाला था। उन्होंने कर्मचारियों का बचाव करते हुए कहा कि "कर्मचारी फील्ड में रहते हैं, ऐसा जरूरी नहीं है कि सभी कार्यालय में ही उपस्थित हों।"

यह तर्क कई गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि सभी कर्मचारी फील्ड में हैं, तो कार्यालय में बैठकर प्रशासनिक कार्य कौन देख रहा है? क्या किसी भी समय पूरे स्टाफ का एक साथ फील्ड में होना संभव है? दरअसल, यह जवाब जिम्मेदारी से बचने और लापरवाही को ढकने का प्रयास ज्यादा प्रतीत होता है। अगर वास्तव में कर्मचारी फील्ड में हैं, तो उसकी स्पष्ट जानकारी, ड्यूटी चार्ट और रिकॉर्ड भी होना चाहिए, जो मौके पर नजर नहीं आया।

आम जनता भुगत रही है खामियाजा

इस अव्यवस्था का सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपनी समस्याएं लेकर CMHO कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन वहां उन्हें कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिलता।

घंटों इंतजार के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं होती, तो उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग जैसी महत्वपूर्ण सेवा में इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य और जीवन को प्रभावित कर सकती है।

यह स्थिति बताती है कि विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को न तो अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है और न ही जनता की परेशानियों की कोई चिंता।

प्रशासन की चुप्पी पर उठते सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन को इस स्थिति की जानकारी नहीं है? यदि जानकारी है, तो अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या मुख्यमंत्री के आदेश सिर्फ दिखावे के लिए जारी किए गए थे, या फिर उनका पालन सुनिश्चित कराने की भी कोई जिम्मेदारी तय की गई है?

मंडला के CMHO कार्यालय की स्थिति यह दर्शाती है कि न तो निगरानी व्यवस्था मजबूत है और न ही अनुशासन लागू करने की इच्छाशक्ति दिखाई दे रही है।

अब समय आ गया है कि इस तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाए। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका पालन सुनिश्चित कराना भी उतना ही जरूरी है।

चेटीचंड महोत्सव पर आज विशाल वाहन रैली एवं शोभायात्रा का होगा आयोजन

*** सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान झूलेलाल साईं की जयंती पर आज होंगे विविध आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सिंधी समाज के इष्ट देव वरुण अवतार भगवान झूलेलाल सांई जी के जन्मोत्सव चेटीचंड महोत्सव आज धूमधाम से मनाया जाएगा। सिंधु नवयुवक मंडल एवं मातृशक्ति के द्वारा आज सुबह 9 बजे विशेष ड्रेस कोड के साथ विशाल वाहन रैली निकली जाएगी, रैली को पूज्य सिंधी पंचायत एवं समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी। अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ विशाल वाहन रैली में पुरुष,महिलाएं एवं युवा शामिल होकर भगवान झूलेलाल के जय घोष करते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब में विराम लेंगे। भाई साहब हरनाम उदासी की उपस्थिति में श्री गुरुद्वारा साहिब में भजन कीर्तन एवं गुरु ग्रंथ साहिब के साप्ताहिक पाठ भोग का कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात सामाजिक लंगर आयोजित होगा। शाम को पूज्य मुखी साहब की उपस्थिति में पंडित वासुदेव शर्मा के द्वारा बहिराणा साहब की पूजा अर्चना संपादित होगी।

शाम को विशेष ड्रेस कोड के साथ विशाल शोभायात्रा का भव्य आयोजन होगा, शोभायात्रा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होगी, जिसमें भगवान झूलेलाल जी, संत कंवर राम जी एवं महापुरुषों की आकर्षक झांकियां से सुसज्जित होकर बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए रंगरेज घाट स्थित मां नर्मदा के तट पर भगवान झूलेलाल की पल्लव पूजा के साथ संपन्न होगी। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत सत्कार किया जाएगा।

अंबेडकर वार्ड स्थित श्री भगवानी बाई केवल राम श्री झूलेलाल मंदिर में सुबह शहनाई के साथ कीर्तन किया जाएगा, तत्पश्चात गुरुप्रसादी का वितरण किया जाएगा, भगवान झूलेलाल साईं के विधिवत के पूजन अर्चन के पश्चात विविध स्वादिष्ट व्यंजनों का स्टॉल लगाया जाएगा, शाम को बहिराणा साहिब के पूजन अर्चन के बाद पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए मंदिर में विशेष साज सज्जा की गई है।

बड़ीमाई मडिया में जवारे बोरे जा रहे हैं

नारायणगंज। नारायणगंज के सबसे पुरानी मडिया जो की वालाई पुल के पास धाबा वृक्ष के नीचे मां भगवती बड़ी भाई विराजमान है जो की बहुत पुरानी स्थान है जहां पर हर 3 वर्ष में जवारे कलश बोय जाते हैं जहां पर दूर-दूर से लोग अपनी आस्था लेकर पहुंचते हैं जहां पर सुबह से जल चढ़ाने के लिए लाइन लगती है क्षेत्र की सबसे पुरानी मडिया है जहां पर सुनील बर्मन पुजारी पांडा है जो की मां की सेवाएं लगातार लेते आ रहे हैं यहां पर हर नवरात्रि में विशाल भंडारी का आयोजन किया जाता है जिसमें आसपास क्षेत्र के लोग यहां आकर धर्म लाभ लेते हैं 9 दिन तक देवी जस एवं भजन का आयोजन समिति द्वारा किया जाता है।

ग्राम पंचायत कुम्हा में जल गंगा संवर्धन अभियान संपन्न

नारायणगंज। शासन के दिशा निर्देशों के पालन में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कूम्हा जनपद पंचायत नारायणगंज मेंजनपद स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नर्मदा तट घाट की साफ सफाई उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारी कर्मचारी, ग्राम वासियों द्वारा की गई, तत्पश्चात मां नर्मदा मैया की आरती बड़े धूम धाम से की गई, उपस्थित जनों को जल गंगा संवर्धन के बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया, कार्यक्रम में श्री अविनाश शर्मा जनपद उपाध्यक्ष, अखिलेश मरावी सरपंच ग्राम पंचायत कूम्हा, सहायक यंत्री जनपद पंचायत नारायणगंज, पंकज साहू एपीओ जनपद पंचायत नारायणगंज, पीसीओ जे के पटेल, उपयंत्री उपासना बघेल, सचिव दीपचंद साहू एवं समस्त जनप्रतिनिधिगण ग्राम वासी उपस्थित रहे।

माँ नर्मदा की साइकिल से उत्तरवाहिनी परिक्रमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी धारा के प्रति आस्था और स्वास्थ्य-पर्यावरण जागरुकता को एक साथ जोड़ते हुए मंडला साइकिलिंग क्लब ने एक आयोजन यादगार सफलतापूर्वक संपन्न किया। क्लब के 31 उत्साही साइक्लिस्टों ने लगभग 45 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण 'माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी साइकिल परिक्रमा' पूरी कर फिटनेस अपनाने और प्रकृति संरक्षण के महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।

यह साइकिल यात्रा सुबह 5:30 बजे किला वार्ड स्थित व्यास मंदिर से माँ नर्मदा के पूजन और संकल्प के साथ शुरू हुई। इसके बाद साइक्लिस्टों का जत्था उत्तरवाहिनी क्षेत्र की परिक्रमा के लिए निकला। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे मार्ग पर उत्साह और अनुशासन के साथ उन्होंने यह दूरी तय की। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम की आदत डालने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करना था। साइक्लिस्टों ने इस दौरान यह संदेश भी दिया कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाती है, बल्कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मंडला साइकिलिंग क्लब की स्थापना 2024 में हुई थी और तब से यह क्लब जिले में युवाओं एवं आम नागरिकों को स्वास्थ्य, अनुशासन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रहा है। इस परिक्रमा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मार्ग पर स्वयंसेवकों की टीमें तैनात रहीं, जिन्होंने साइक्लिस्टों को मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता प्रदान की, जिससे यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सुव्यवस्थित रही।

इस आयोजन में महेश चड़ार, दिनेश दुबे, राकेश अग्रवाल, संतोष चौकसे, संतोष कुशवाहा, विजय सिंह, सतीष चतुर्वेदी, रुचिता चतुर्वेदी, हरिशंकर महतो, महासिंह परस्ते, गौरव मिश्रा, नवीन 1 सोनी, अजित सिंह मरावी, हेमंत खरे, दिलीप सिहानी, ताजिम : अल्वी, रूपेश इसरानी, मनीष झारिया, कमलेश कार्तिकेय, शशांक चौबे, तिलोत्तमा खरे, अभिषेक गुप्ता, संजय विश्वकर्मा सहित क्लब के अन्य सदस्य : शामिल हुए।

रजिस्ट्री गुमी

मेरे पक्षकार राकेश कुमार चौरसिया पिता ढालचंद चौरसिया निवासी मण्डला द्वारा दी गई जानकारी व निर्देशों के आधार पर यह आम सूचना प्रेषित की जा रही है कि मेरे पक्षकार के स्वामित्व का अधिपत्य की संपत्ति-मौजा-देवदरा प.ह.नं. 27/55 रा.नि.म. मण्डला में स्थित खसरा नम्बर 127/1/1/3 में स्थित है जिसका रकबा 1200 वर्गफिट है जो उनके द्वारा पूर्व स्वामी ब्रजमोहन सोनी पिता पंचम लाल सोनी से रजि.बि. पत्र 12/12/2019 के द्वारा क्रय की गई पूर्व स्वामी ब्रजमोहन सोनी ने इसे पूर्व स्वामी ब्रजकिशोर कांसकार पिता मूलचंद से 14/07/1997-**DHO1089** क्रय की थी व ब्रजकिशोर कांसकार ने उक्त संपत्ति को पूर्व स्वामी अजुद्दी लाल रायदास से रजि.बि. पत्र दिनांक 05/06/1996 के माध्यम से क्रय की थी चूंकि मूल लिंक रजि.बि. पत्र दिनांक 05/06/1996 (विक्रेता अजुद्दी लाल रायदास क्रेता ब्रजकिशोर कांसकार) कहीं गुम हो गई है जो कि काफी प्रयासों के उपरांत भी आज दिनांक तक अप्राप्त है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त मूल श्रृंखला रजिस्ट्री प्राप्त हो तो कृपया कर मुझसे संपर्क कर मुझे उपलब्ध कराये या सूचित करें।

भवदीय
रामेश्वर झारिया अधिवक्ता मण्डला
मो-9425484355

अनदेखी | **किसकी अनुमति से नदियों के अंदर हो रहा मशीनों से उत्खनन।**

पोकलैंड मशीन द्वारा धड़ल्ले से रेत उत्खनन

*** विरोध के बावजूद बेअसर प्रशासन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं को संरक्षित किये जाने प्रयास प्रारंभ हुआ जल स्त्रोतों को सहेजा जा रहा है यह सराहनीय काम है लेकिन एक ओर तो कुएं, तालाब, बाबलियों को संरक्षित किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर इस जिले की जीवनदायिनी माँ नर्मदा के प्रति क्यों अनदेखी की जा रही है माँ नर्मदा की सहायक नदियाँ बुढ़नेर एवं बंजर के प्रति हमारी क्या प्रतिबद्धता है क्या ये महत्वपूर्ण नदियाँ इस अभियान के तहत नहीं आती या फिर इनका संरक्षण या इन्हें सहेजना आवश्यक नहीं।

पिछले काफी समय से इन नदियों के आस्तित्व के साथ जिस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है इन नदियों के अंदर बड़ी-बड़ी मशीन लगाकर रेत निकाली जा रही है बड़े-बड़े डम्फर बीच नदी तक जा सकें इसके लिये सैकड़ो ट्राली मिट्टी, मुर्रम डालकर रास्ते बनाये जा रहे हैं नदियों की धारा एवं प्रवाह को बदला जा रहा है क्या इसकी अनुमति शासन-प्रशासन द्वारा दी गई है यदि नहीं दी गई तो कैसें इतनी बड़ी मात्रा में अवैध उत्खनन हो रहा है। रेत का परिवहन करते ट्रेक्टर तो पकड़े जाते हैं लेकिन गीली रेत ले जाते डम्फर को रोकने की हिम्मत किसी की नहीं होती। कोई नहीं देखता कि इनके पास आवश्यक दस्तावेज है भी कि नहीं।

माँ नर्मदा के प्रति सम्मान दिखाते हुये प्रशासन लगातार विभिन्न आयोजन करता रहता है यदि माँ नर्मदा के प्रति हमारे मन में सम्मान है श्रद्धा है तो नजर भी आनी चाहिये, मुंह में राम बगल में छुरी निश्चित रूप से हमारी प्रतिष्ठा को ही प्रभावित करेगी और क्या हम आने वाली पीढ़ी प्रश्नों का सामना कर पायेंगे।

जिले के बम्हनी बंजर, बरबसपुर, सिलगी, कातामाल, भढ़िया, मुगदरा और हिदेयनगर क्षेत्रों में इन दिनों अवैध रेत उत्खनन का कारोबार खुलेआम जारी है। पोकलैंड मशीनों के जरिए नदी-नालों से तेजी से रेत निकाली जा रही है, लेकिन ग्रामीणों के लगातार विरोध के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत और आगाह करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं, जिससे रेत माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बिना रॉयल्टी के अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है और वाहन अंदरूनी रास्तों से तेज रफ्तार में निकलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस अवैध कारोबार से जहां शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, वहीं पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है और आसपास के गांवों की जमीन व जलस्तर पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिवनीमाल जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत सिवनीमाल में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईंट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच — पार्वती बाई धुर्वे
सचिव — सोहन दास पड़वार

कार्यालय ग्राम पंचायत मझगांव जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत मझगांव में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईंट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच — गंजन सिंह भारतिया
सचिव — रेवाराम उद्दे

कार्यालय ग्राम पंचायत कूण्डा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत कूण्डा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईंट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच — मोतीलाल मार्को
सचिव — देवेन्द्र श्रीवास्तव

कार्यालय ग्राम पंचायत खिन्हा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत खिन्हा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईंट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच — श्रीमति मुन्नी बाई तेकाम
सचिव — मुनीम दास बैरागी

खबर संक्षेप

संघ के स्वयं सेवकों द्वारा तिलक बंदन के साथ मनाया हिन्दू नव वर्ष

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हमारे देश की संस्कृति को भुलते चली जा रही युवा पीढ़ी को जागरूक करने की जरूरत महसूस होने लगी है। क्योंकि युवा पीढ़ी जिस तरह 1 जनवरी को नया वर्ष मनाते हुये लाखों रूपया खर्च कर देती है मगर सही मायने में देखा जावे तो हमारा नया वर्ष चेत्र नवरात्र से शुरू होती है। इस तरह हमारी संस्कृति को भुलने वाले युवा पीढ़ी को जागरूक करने की सोच रखते हुये बीते हुये गुरूवार को संघ के स्वयं सेवको द्वारा हिन्दू नववर्ष चैत्र की प्रतिपदा की पावन बेला एवं गुड़ी पड़वा के अवसर पर नगर के हृदय स्थल झंडाचौक सहित नगर के अन्य स्थानों पर मौजूद लोगों सहित राहगीरों को तिलक लगाते हुये नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाये दी गई। इस मौके पर नगर के वरिष्ठ स्वयं सेवकों के साथ साथ अन्य लोग भी मौजूद थें।

सौतेले पुत्र ने माँ की बाइक में आग लगाते हुये किया खाक

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम रहमा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे पति स्व. हीरालाल नौरिया ने मुझसे पहले एक अन्य दूसरी महिला से शादी की थी। मेरे पति का निधन लगभग तीन साल पहले हो चुका है। पति के निधन के बाद से ही मेरा सौतेला लडका दुर्गेश मुझसे बंटवारे को लेकर रंजिश बनाये है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जब प्रार्थिया अपने घर का काम कर रही थी तभी वहां दुर्गेश नौरिया आया औऱ प्रार्थिया से कहने लगा मुझे तुम्हारी मोटर साईकिल बंटवारे मे दे दो । प्रार्थिया ने कहा कि यह मोटरसाईकिल मेरी है मै इसे तुम्हे नही दूंगी । इसी बात लाल-काले रंग की हीरो एचएफ डीलक्स कंपनी की मोटर साईकिल क्रमांक एमपी49एमपी 3744 मे तोडफोड करते हुये आग लगाकर जलाते हुये खाक कर दिया। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर की मारपीट

चीचली। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस मोनू पिता प्यारे लाल बंशकार उम्र 30 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिवस बाजार से अपने घर जा रहा था उसी दौराना परषोत्तम, सचिन व एक महिला द्वारा पुरानी बुराई को लेकर एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बीच सड़क पर नाचने पर महिला से मारपीट

गाडरवारा। लोग कार्यक्रमों के दौरान सड़को पर इस तरह कब्जा जमा लेते है जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस दौरान जब सड़क से हटने की बात कही जाती है तो मारपीट करने से नह चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के माता वार्ड में देखने मिली जहां पर एक महिला से मारपीट हुई। घटना के संबंध में पीड़ित महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर पर थी उसी समय घर सामने खम्बा के पास बक्से बज रहे थे।

करोड़ों की लागत बनाई गई सूखाखैरी बारहाबड़ा से सालीचौका सीमेन्ट सड़क गड्डो में हुई तब्दील, वाहन चालक मौत कुंआ की भांति संभल कर चलने हो रही मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबडा।

भले ही देश व प्रदेश में बैठे हुये नेताओं द्वारा लगातार बढ रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये कितने ही प्रयास क्यों न किये जावे। मगर यदि प्रशासन तंत्र में बैठे हुये छोटे से लेकर बड़े अधिकारी शामिल हो तो शायद ही इस पर अंकुश लग पाना संभव नही हो पता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम सूखाखैरी से होते हुये बारहाबड़ा से निकलकर सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ रूपया की राशि से लगभग चार वर्ष पहले बनाई गई सीमेन्ट सड़क में देखने मिल रहा है..? बताया जाता है कि इस सड़क का निर्माण कार्य हुये लगभग चार पांच साल का समय ही निकला होगा और यह सीमेन्ट सड़क जहां तहां जिस तरह टूटते हुये पुलियों के बीचों बीच निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा पैदा तो कर ही रही है दूसरी ओर इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर इस सड़क निर्माण से संबंधित उन अधिकारियों की पोल भी खुलने से नही चूक पा रही है कि आखिरकार उनके द्वारा जिस आधार पर इस सड़क निर्माण कार्य को लेकर अपनी संतुष्टि प्रदान करते हुये कार्य को सही बताते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को भुगतान कर डाला है..? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान ही जिस तरह गफलत बाजी दिखाई देना शुरू हो गया था। उस सच्चाई को को हरिभूमि द्वारा लगातार प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी अधिकारी द्वारा ध्यान देना उचित नही समझे जाने से लग रहा है कि शायद लक्ष्मी पूजन के आर्शीवाद के चलते अधिकारी भी मग्न हो चुके है? वैसे भी यदि इस सड़क निर्माण कार्य की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शुरूआती तौर से ही इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने लगे थें? जब सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत करते हुये वक्त कुछ पुलियों का निर्माण कार्य ही हो पाया था कि और ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही हो जाने के कारण उसमें काम करने वाले कुछ मजदूरों को चोटे भी आई हुई थी। वही दूसरी ओर इस सीमेन्ट सड़क निर्माण के दौरान की धराशाही हुई पुलिया ने जहां सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े कर दिये गये थें। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की कहानी को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर करते हुये संपूर्ण सच्चाई से अधिकारियों को समय समय पर अवगत कराया जाता रहा है। मगर कहा जाता है कि जहां लक्ष्मी पूजन का प्रभाव होता है वहां पर जिम्मेदार अधिकारियों को भी आम के पेड़ में इमली लगी हुई दिखाई देने से नही चूक पाती है और शायद यही हाल इस सड़क के निर्माण कार्य की देख रेख में लगे हुये जिम्मेदार अधिकारियों का देखने मिला है जो सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता को निर्माण के दौरान पूर्णरूप से नजर अंदाज करते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से छूट प्रदान करने से नही चूक होगे जिसके चलते यह सड़क जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से टूटते हुये नजर आने लगी थी और इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से प्रदान किये गये संतुष्टि प्रमाण पत्र के चलते निर्माण कार्य का भुगतान हो गया और अपने निर्माण के चंद यानि की मात्र दो तीन साल के अंदर ही यह सड़क जहां तहां से टूटने के साथ पुलियों की और निकल रही लोहे की राड़े वाहन चालकों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि जब सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था उसी समय ग्राम बारहाबड़ा से सूखाखैरी के बीच इस सड़क के निर्माण के दौरान एक पटरी का कार्य ही हो पाया था और दूसरी पटरी का निर्माण कार्य होना शेष था और सड़क टूटना शुरू हो गया था। इस प्रकार से सही मायने में देखा जावे तो इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण भी नही हो पाया था और ग्राम बारहाबड़ा से सिंहपुर छोटा तथा ग्राम आंडेगांव व सूखाखैरी के बीच निर्मित सड़क ही अनेक जगहों से टूटते हुये दिखाई देने लगी थी। इस सच्चाई को उस समय हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि लगभग 76 करोड़ की लागत से बनी हुई इस सड़क मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात साबित होने से नही चूक रही है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस सोच के चलते क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा इस क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान को रखते हुये दिन रात एक करते हुये इस सड़क को स्वीकृत कराने के बाद शासन द्वारा इस सड़क निर्माण के लिये करोड़ो रूपया खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर संबंधित विभाग से जुडे हुये अधिकारियों से लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण के नाम पर जिस प्रकार शासकीय धन की होली खेलते हुये सड़क का निर्माण कार्य किया था और वह सड़क जब अपने निर्माण के मात्र दो तीन वर्ष भी नही चल सकी तो फिर यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि इस सड़क के निर्माण में हुई गफलत की मलाई में कितने हिस्सेदार रहे होगे की लगातार आवाज उठाये जाने के बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही हो सकी और करोड़ो की राशि की खुलेआम होली खिल जाने के कारण क्षेत्र की जनता को परेशानियों का सामना करते हुये अपनी जिन्दगी को खतरे में डालने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? यदि सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और इस विभाग के जुडे हुये उन अधिकारियों से लेकर क्षेत्र की छुटभैया नेताओं के चेहरे भी उजागर हो जावेगे जो इस प्रकार गुणवत्ता को दर किनार सड़क निर्माण का कार्य करने वाली कंपनी को अपना अघोषित रूप से संरक्षण देने से नही चूके है? इस प्रकार से सरकार के लगभग 76 करोड़ रूपया की राशि से निर्मित होने वाली इस सड़क जिस प्रकार से अपने निर्माण के मात्र दो वर्ष बाद ही टूटना शुरू हो गई है उसकी गुणवत्ता को लेकर जांच कराई जाने की मांग उठाई जा रही है।

गांव में कीचड़ का साम्राज्य, स्वार्णिम म.प्र. बनने की सपने पर लग रहा ग्रहण?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र में बैठी सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के लिए मनमानी धनराशि भेजकर उनकी सूरत बदलने की सोच बनाये हुए है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि धन राशि खर्च होने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति नही बदल पाने के कारण जहां देश के मुखिया द्वारा देश को स्वच्छ बनाने के सपने पर पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधि व अधिकारियों द्वारा ग्रहण लगाया जा रहा है..?

वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को बदहाल स्थिति में जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है..? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत में सड़को के निर्माण सहित अन्य कार्यो के लिए काफी मात्रा में धनराशि खर्च की गई है, जिसके खर्च होने के बाद भी आज गांव की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों को घुटना घुटना कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव में कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने के कारण जहां जनप्रतिनिधियों की कार्य शैली पर सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर जनपद में बैठे अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही है? क्योंकि पंचायत के विकास कार्यों में हो रही गफलत बाजी की शिकायत जब अधिकारियों से की जाती है तो उनके द्वारा भी शिकायतों को नजर अदांज करते हुए अनदेखी कर दी जाती है, जिसके चलते जहां आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर प्रदेश को स्वच्छ बनाने का देश के मुखिया के सपने को भी अधिकारियों की मिली भगत से पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा पलीता लगाया जा रहा है।

एनटीपीसी के तत्वाधान में सीएसआर पहल से गांवों में खेल का उत्साह

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

एनटीपीसी द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत परियोजना प्रभावित ग्रामों के लिए चार दिवसीय "ग्रामीण क्रिकेट कप" का भव्य आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में सभी सात परियोजना प्रभावित गाँवों की टीमें बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग ले रही हैं। बताया जाता है कि इस आयोजन की विशेष बात यह है कि इस प्रकार की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिससे ग्रामवासियों में विशेष उत्साह और खुशी का वातावरण निर्मित हुआ है।यह आयोजन खेल के माध्यम से आपसी भाईचारे, सहयोग, समन्वय एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणा दायक पहल है। प्रतियोगिता का शुभारंभ परियोजना प्रमुख हिम्मत सिंह चौहान द्वारा मेजर ध्यान चंद स्टेडियम, एनटीपीसी गाडरवारा में विधिवत रूप से किया गया, जिसमें बी बी पात्रा, मानव संसाधन प्रमुख एवं सभी ग्रामों के सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस प्रतियोगिता में सातों गाँवों की टीमों से लगभग 180 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। जो ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 21 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है। वही सभी सातों ग्रामों को क्रिकेट एवं वॉलीबॉल किट भी प्रदान की गई, जिससे ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इस अनूठी एवं प्रभावशाली सीएसआर पहल के लिए ग्रामवासियों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है। वही एनटीपीसी गाडरवारा की इस पहल को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखने मिल रहा है। इस प्रकार के आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारते हैं। बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता, सहभागिता और सामुदायिक विकास को भी बढ़ावा देते हैं, जो ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और यदि बीते हुये पंचायती राज में सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठने से नही चूक पा रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार

अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है..? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं..? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है..? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

किसानों के खेतों से कृषि सामग्री चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में असफल हो रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखी ही जा रहे है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय पड़ रही तेज तपन के चलते जहां किसान अपने खेतों में पहुंचने को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यो में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है..? इस प्रकार की सच्चाई आये दिन क्षेत्र में देखने मिल रही है जहां पर जब पीड़ित कोई किसान पुलिस थानों में अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है तो वहां पर सिर्फ आवेदन लेते हुये उसे चलता बना दिया जाता है। इस स्थिति में चलते चोरों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है, इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी का प्रमुख कारण युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति का कारण माना जा रहा है जो अपना शोक पूरा करने के लिये इस प्रकार से चोरियों को अंजाम देने से नही चूक रहे है, क्योंकि इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है। क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? मगर इस अवैध कारोबार को जिस प्रकार से पुलिस द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते पुलिस की भूमिका पर भी संदेह के बादल मडराने से नही चूक पा रहे है?

नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में सुधारने में असफल हो रहा प्रशासन, महानगरों की तरह दिखाई पड़ रहे जाम के नजारे

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर की आबादी बढ़ने,आपाधापी भरे समय में स्वाभाविक तौर से वाहनो, आटो की संख्या में ईजाफा होने, स्कूलो बसो, ट्रको की भरमार होने, अतिक्रमण की गहराती समस्या के कारण नगर की प्रमुख सड़के बेजा यातायात का दबाव सहने की स्थिति में दम तोड़ती जा रही है और वही नवनिर्मित सड़कों के भी जर्जर होने की शुरूआत हो गयी है, जिन पर सुबह से अनियंत्रित गति से चल रहे वाहनों से जहां पैदल स्कूलो में जाने वाले बच्चो, राहगीरो, शासकीय कर्मचारियो का सड़कों को पार करना मुश्किल हो रहा है। वही सड़कों के किनारों पर बेतरतीव वाहनों के खड़े रहने से नगर के राठी तिराहे, पलोटन गंज चौराहे, झंडाचौक पर रोज जाम लगने के हालात बन रहे है? इन स्थानों के सकरे पन की वजह से कभी कभार वाहनों का रेला इतना अधिक लग जाता है कि यातायात अराजक हो जाता है और लोगो का परेशानी उठाने मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी भी यातयाता

व्यवस्था को पूर्ण रूप से तहस नहस करे हुए है, जिनको हटाने के लिए कुछ समय पूर्व नपा द्वारा हाकां गैंग की शुरूआत की गई थी मगर नपा अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होते ही वह भी पूर्णरूप से लापता हो चुकी है। वही चल रहे किसानों के कृषि कार्यो के सीजन में जब बाजार गुलजार रहता है तब कई जगह जाम लगने की नौबत आने से आमजनो का सड़को पर चलना दूभर होने के साथ साथ शहर का महौल बड़े महानगरों के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि शहर में अक्सर दिखायी देने वाले जाम के मंजर बाजार में दुकानदारो द्वारा सड़कों के आधे हिस्से पर सामान फैलाने तथा लोगों में अतिक्रमण करने की बढ़ रही प्रवृत्ति की देन है, विदित हो कि बरसो से पुलिस को मिल रही नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू रखने की चुनौती को स्वीकार करने में स्थानीय पुलिस नाकाम साबित होते हुये जान पड़ रही है? शहर के थाने में अलग से पर्याप्त यातायात पुलिस कर्मी न रहने से कई महत्वपूर्ण स्थानो पर यातायात पुलिस कर्मी तैनात नही हो पा रहे है, जिससे अनियंत्रित गति से वाहन चलाने वाले मनचाहे ढंग से सड़कों पर वाहन दौड़ा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देकर यातायात व्यवस्था को बिगाड़ रहे है। वही शहरवासियों का कहना है कि बदलते समय में शहर के सौन्दर्यीकरण के साथ नगर के युवाओं, नागरिको की चाहत है कि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार करने शासन प्रशासन हरकत में आएँ, जिला पुलिस अधीक्षक नगर के थाने में अपेक्षित यातायात पुलिस कर्मियो की तैनाती कराये ताकि शहर के प्रमुख स्थानो पर जाम लगने की समस्या खत्म हो सके।

लाठी से मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस विवेकानंद वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस वह छीपा तिराहा वेयर हाऊस से गाडी खडी करके पैदल घर जा रहा था तभी मोहल्ले के पुराना आंगनबाडी के पास मोहन ठाकुर एवं दुर्गेश उर्फ टेडू ठाकुर मिले जो पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो तो मोहन ठाकुर लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। वही शोर सुनकर प्रार्थी का भांजा सूरज गोलंदाज व कैलाश ठाकुर बीच बचाव करने आये तो उसके साथ भी दोनों ने मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

रास्ता रोककर महिला से की गई मारपीट

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रागढ़ में रास्ता रोककर महिला से मारपीट की गई है। घटना के संबंध में चन्द्रागढ़ निवासी 30 साल की महिला ने थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी कि मैं बुधवार की सुबह 11 बजे अपने पति ओमप्रकाश के साथ मोटर सायकल में बैठकर बरसिंघा जा रही थी। मोटर सायकल मेरा पति ओमप्रकाश चला रहा था। बीच में महेश उइके भी बैठा था। ग्राम चन्द्रागढ के हॉस्टल के पास ग्राम खजरी तरफ से आ रहे मोटरसाइकिल सवार ललित कुमार सैयाम निवासी बिलगांव ने हमारा रास्ता रोक लिया एवं पुरानी बात को लेकर मेरे साथ गाली गलौज कर मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। मारपीट से मुझे चोट लगी है। रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 126(2), 296 (बी), 115(2), 351(2) का मामला कायम कर विवेचना में लिया गया है।

बरगा जलाशय परियोजना में अनियमितता के आरोप, प्रशासन सख्त

डिण्डोरी। जिला डिण्डोरी में बरगा जलाशय लघु सिंचाई परियोजना को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। प्रशासन द्वारा प्रारंभिक जांच में यह तथ्य उजागर हुआ है कि योजना के क्रियान्वयन में भारी लापरवाही एवं वित्तीय अनियमितताओं के कारण जनता के करोड़ों रुपये व्यर्थ खर्च हो गए। कलेक्टर कार्यालय भू-अर्जन शाखा द्वारा जारी निर्देशों में कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग डिण्डोरी एसके शर्मा की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2004 में स्वीकृत इस परियोजना के लिए भूमि अर्जन की कार्यवाही भी की गई तथा प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसके बावजूद परियोजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया और अब इसके निरस्तीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जो गंभीर प्रश्न खड़े करता है। प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि यदि प्रारंभ से ही परियोजना में तकनीकी एवं प्रशासनिक खामियां थीं, तो गलत प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति क्यों ली गई। साथ ही यह भी पूछा गया है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद परियोजना को निरस्त करने की नौबत क्यों आई। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री से इस संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन 3 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका एवं उनके विरुद्ध की गईध्प्रस्तावित कार्रवाई का भी स्पष्ट विवरण मांगा गया है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले को उच्च प्राथमिकता में रखा गया है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई तय मानी जा रही है। बरगा जलाशय परियोजना में हुई इस कथित लापरवाही ने न केवल शासन की योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि आम जनता के संसाधनों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। अब सभी की नजरें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

तिलक लगाते ही बेहोश हुआ युवक, ग्रामीणों ने की बाबाओं की पिटाई

डिंडौरी। शाहपुर थाना अंतर्गत नरिया गांव में गुरूवार की दोपहर ग्रामीणों ने आधा दर्जन बाबाओं की पिटाई कर दी। मारपीट का कारण बाबाओं द्वारा एक युवक को तिलक लगाते ही बेहोश हो जाना बतलाया गया है। सूचना के बाद पुलिस ने सभी बाबाओं को थाना लाकर पूछताछ की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर एक कार में सवार होकर छह बाबा नरिया में रोड किनारे निवासरत सुशील पिता चंद्र सिंह गोंड के घर पहुंचे और उन्होंने सुशील के माथे पर तिलक लगाया इसके तुरंत बाद ही सुषील बेसुध होकर गिर पड़ा इस बावद जानकारी लगते ही ग्रामीण मौके पर इकठ्ठा हो गये और उन्होंने बाबाओं की पिटाई कर दी। बताया गया है कि बाबा अमरकंटक से चित्रकूट जा रहे है इसी दौरान वह नरिया में रुके थे। मामले को लेकर क्षेत्र में अफवाह और अटकलों का दौर जारी है।

चैत्र नवरात्र शुरू देवी मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

विधि विधान के साथ बोये गये जवारे

डिंडौरी ।

चैत्र नवरात्र का शुभारंभ होते ही आराधना के लिए माता रानी के दरबार सज गये हैं। नौ दिनों तक भक्त मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की आराधना में लीन रहेगें। नवरात्र पर्व के मद्देनजर देवी मंदिरों, मढिया में भक्तों द्वारा साज-सज्जा की गई है। देवी मंदिर और मढिया में गुरुवार को जवारा भी बोये गये हैं। नवरात्र में भक्तों ने नौ दिन व्रत रखकर मां जगत जननी की विधि विधान से पूजा आराधना करने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। नगर समेत ग्रामीण इलाकों में सुबह से लोग स्नान कर मंदिर और मढिया में जल ढारने पहुंचे, और सुख समृद्धि की कामना की हैं। जिला मुख्यालय के डेम घाट, मॉ शारदा टेकरी, महालक्ष्मी मंदिर, विध्यवासिनी मंदिर, जगदम्बा मंदिर, भवतारिणी मंदिर, में इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में प्रसिद्ध झामझोला के देसाई और मरही माता के स्थान, भलवारा में रानी बघेलिन माता के मंदिर शहपुरा के शारदा टेकरी, राई में बंजारी माता, बजाग क्षेत्र की पनबज्जा देवी, करवेमट्ठा मढिया, किसलपुरी देवी मढिया, सहित अन्य देवी स्थानों पर जल चढ़ाने और आराधना करने पहुंचे। इसके अलावा अनेकों स्थानों में जवारे बोने का कार्य भी किया गया, यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। देवी स्थल पर भक्तों की लगी भीड गुरुवार से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही भक्तों द्वारा माता रानी के दरबार, देवी मंदिर मढिया को रंग रोगन करने के साथ विद्युत साज सज्जा की गई है। जिले के प्रसिद्ध देवी स्थल झामझोला और भलवारा की बघेलिन देवी के स्थान पर भक्तों की भीड उमडी जिनके द्वारा मांगी गई मन्नत पूरी होने पर नौ दिनों तक अखंड जोत जलाने के साथ जवारे भी बोये गये हैं। बतलाया गया कि इन दोनों देवी स्थलों में जिले सहित दूसरे प्रदेश के लोग भी मन्नत मांगने पहुंचते हैं, और मन्नत पूरी होने पर चैत्र नवरात्र में नौ दिनों तक ज्योत जलाकर जवारे भी बोये जाते हैं। आज होगी ब्रह्मचारिणी की पूजा नवरात्रि के प्रथम दिवस मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की गई उन्हें हिमालय की पुत्री माना जाता है और स्थिरता शक्ति व सुख की प्रतीक हैं। सुबह से भक्त स्थान कर सफेद फूल, सिंदूर, रोली, अर्पित कर कलश स्थापना के साथ पूजा संपन्न की। आज नवरात्रि के दूसरे दिन मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाएगी जो तपस्या, संयम और ज्ञान की देवी हैं। इस दिन सफेद या पीले रंग के वस्त्र पहनकर देवी को चीनी, मिश्री का भोग लगाया जाता है, और कमल के फूल अर्पित कर आराधना की जायेगी।

डीएससी सत्यापन नहीं होने से ग्राम पंचायत के कार्य प्रभावित

ग्राम पंचायत चोरा माल के सरपंच सचिव ने कलेक्टर को दिया आवेदन

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिंडोरी की ग्राम पंचायत चोरा माल के सरपंच सचिव की डीएससी सत्यापन नहीं होने से ग्राम पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिस संबंध में सरपंच सचिव द्वारा कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर सत्यापन कराये जाने की मांग की गई है। दिये गये आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सरपंच सचिव की पंचायत दर्पण पोर्टल एवं ई-ग्राम स्वराज के पोर्टल की डीएससी सत्यापित नहीं की जा रही है, जिससे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, नल जल संचालन एवं संधारण सरपंच पंच मानदेय, चौकीदारों का मानदेय सहित मजदूरी भुगतान और सामग्री सप्लायरों के भुगतान सहित अन्य भुगतान रुके हुए हैं। ऐसी दशा में अन्य निर्माण कार्य भी विगत 13 मार्च से बंद कर दिये गये हैं। आलम यह है कि मजदूरों का भुगतान नहीं होने के कारण मजदूर भी कामों में आना बंद कर दिये हैं। पूर्व में लंबित भुगतान को लेकर भी मजदूरों द्वारा भुगतान करने का दबाव बनाया जा रहा है। सरपंच सरोजनी मार्को ने बतलाया कि डीएससी सत्यापन के लिए जनपद से लेकर जिला पंचायत तक आग्रह किया जा रहा है, बावजूद इसके सत्यापन कार्य नहीं कराया जा रहा है। मांग की गई है कि शीघ्र ही सत्यापन कार्य कराया जाए जिससे ग्राम पंचायत में सुचारू रूप से कार्य संचालित कराया जा सके।

बीवी-जी राम जी अधिनियम 2025 के क्रियान्वयन को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित

डिंडौरी।विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बीवी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जन-जागरूकता के लिए जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में प्रेसवार्ता आयोजित की गई।प्रेसवार्ता में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि अधिनियम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक इच्छुक वयस्क सदस्य को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के अकुशल मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। उन्होंने इसे ग्रामीण विकास को मजबूती देने वाला अहम कदम बताया।उन्होंने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत जल संरक्षण, आधारभूत संरचना विकास, आजीविका संवर्धन और प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी कार्य ग्राम पंचायत स्तर की योजनाओं के माध्यम से तैयार होंगे और उन्हें राष्ट्रीय योजनाओं जैसे पीएम गति-शक्ति से जोड़ा जाएगा।कलेक्टर ने बताया कि कृषि के व्यस्त समय, जैसे बुवाई और कटाई के दौरान, श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष में अधिकतम 60 दिनों की अवधि अधिसूचित की जा सकेगी, जिसमें इस योजना के अंतर्गत कार्य नहीं कराए जाएंगे।

यह योजना केंद्र प्रायोजित होगी, जिसमें पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए 90:10 तथा अन्य राज्यों के लिए 60:40 के अनुपात में वित्तीय भागीदारी तय की गई है। विशेष परिस्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान केंद्र सरकार आवश्यकतानुसार छूट प्रदान कर सकेगी।

प्रशासनिक व्यवस्था के तहत जिला कार्यक्रम समन्वयक को योजना के क्रियान्वयन एवं निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम अधिकारी और ग्राम पंचायतें कार्यों के संचालन एवं श्रमिक पंजीयन का कार्य करेंगी। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभाओं द्वारा नियमित सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि मजदूरी दरें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी। नई दरें लागू होने तक मनरेगा की वर्तमान मजदूरी दरें प्रभावी रहेंगी। समय पर कार्य उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में पात्र हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता भी दिया जाएगा।योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण, स्पैटियल तकनीक आधारित योजना निर्माण, मोबाइल एवं डैशबोर्ड आधारित निगरानी और साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण की व्यवस्था की गई है।अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए केंद्र स्तर पर लोगो डिजाइन, वीडियो/रील निर्माण और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें चयनित प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

आज मनाया जायेगा रानी का बलिदान दिवस

वीरांगना रानी अवंतीबाई की कर्मभूमि रामगढ़ आज भी उपेक्षा की शिकार

डिंडौरी। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर अमरपुर के रामगढ़ में स्थित शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई की कर्मभूमि उपेक्षा का शिकार है। औपचारिकता के तौर पर वीरांगना की जयंती और शहीद दिवस के अवसर पर मंच से घोषणा तो कर दी जाती है। लेकिन आज तक इन घोषणाओं पर अमल नहीं होना अचरज का विषय है। पूर्व में की गई घोषणा के मुताबिक अभी तक एक अष्टधातु की मूर्ति भी स्थापित नहीं की गई है। विदित होवे कि 20 मार्च 1988 शहीद दिवस पर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह शिरकत करते हुए रानी को श्रद्धांजलि अर्पित कर मूर्ति लगाने की एवं सौंदर्यीकरण की स्वीकृति दी थी। जिसके तारतम्य में कंक्रीट की मूर्ति बना दी गई थी। जिसके खंडित होने पर मरम्मत करा दी जाती हैं। जिसका इतने वर्षों में आज तक लोकार्पण नहीं हो सका है। जानकारी के मुताबिक स्थानीय समिति द्वारा अनेकों बार अष्टधातु की बड़ी मूर्ति लगाने की मांग शासन प्रशासन से की जा चुकी हैं। लेकिन इस और किसी का ध्यान ही नहीं गया और वीरांगना की नगरी आज भी अपेक्षित हैं।

रानी का संक्षिप्त जीवन परिचय

रानी अवंती बाई का जन्म 16 अगस्त 1831 को जमींदार राव जुझार सिंह जिला सिवनी के मनखेड़ी ग्राम में हुआ, जिनका विवाह 1848 में रामगढ़ के राजकुमार विक्रमाजीत से हुआ और रानी बनकर रामगढ़ में पदार्पण हुआ। रानी के ससुर की मृत्यु के बाद विक्रमाजीत ने रामगढ़ रियासत की जिम्मेदारी संभाली ही थी कि अचानक अज्ञात बीमारी ने घेर लिया। इसी बीच रानी अवंती बाई के दो राजकुमार हो गए। बड़े का नाम अमान सिंह एवं छोटे का नाम शेर सिंह था। राजा के अस्वस्थ होने के कारण रानी की जिम्मेदारी और बढ़ गई थी। इसी समय अंग्रेजों की हड़पनीति की शुरुआत हुई। अंग्रेजों ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए जोकि रानी को नागवार गुजरा और अंग्रेज प्रतिनिधि को अपने राज्य से बाहर कर दिया। जिसे अंग्रेजों ने अपने प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया और अंग्रेजी सेना द्वारा रामगढ़ में चढ़ाई कर दी। रानी ने भी अपने सैनिकों के साथ पूरे हौंसले के साथ अंग्रेजों के प्रशिक्षित सेना के साथ लड़ी और अंग्रेजी सेना को परास्त कर दिया और जनरल वाडिंगटन को पकड़ लिए। वाडिंगटन के गिडगिडाने के बाद रानी ने छोड़ दिया। अंग्रेजी सेना ने दोबारा पूरी तैयारी के साथ रामगढ़ राज्य में चढ़ाई कर दी। जिसकी उम्मीद रानी

अवंती बाई को बिल्कुल भी नहीं थी। फिर भी आगे बढ़ते हुए अंग्रेजी सेना से घमासान युद्ध करते हुए बालपुर तक पहुंचे और पीछे से रीवा रियासत की सेना अंग्रेजों के सहयोग में आकर रानी को चारों तरफ से घेर लिए। तभी रानी अवंतीबाई अपने आप को असुरक्षित समझा और उसने अपने अंगरक्षक से कटार लेकर अपने पेट में भौंक लिया इसके बाद अंगरक्षक उमराव सिंह के निर्देश पर रानी को अचेत अवस्था में खाट की डोली में रामगढ़ लाते समय सूखी तलैया के पास रानी अवंती बाई ने अंतिम सांस ली और वह काला दिन 20 मार्च 1958 का था। जिसे रानी के बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अनकों घोषणाओं के बाद नहीं कराया गया कार्य

रानी की कर्मभूमि रामगढ़ जोकि शासन प्रशासन की उपेक्षा का शिकार हैं। 25 दिसंबर 2009 को लोधी समाज के वार्षिक सम्मेलन मंडीदीप भोपाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा घोषणा की गई थी कि रानी अवंती बाई का स्मृति समारोह हर साल शासकीय खर्च पर रामगढ़ में आयोजित होगा। लेकिन घोषणा के साथ रामगढ़ को ही भूल गए। इसी प्रकार 20 मार्च 2023 में स्थानीय समिति द्वारा आयोजित शहीद दिवस समारोह में पधारे तत्कालीन केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा मंच से समिति के मांग पत्र पर महाविद्यालय अमरपुर का नाम रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय किया जाएगा। लेकिन आज तक इस घोषणा पर अमल नहीं हो सका हैं।

नर्मदा तट पर जल संरक्षण का संदेश, विधायक बोले—अपनाएं भारतीय संस्कृति

डिंडोरी।

जिला मुख्यालय के नर्मदा डैम घाट में गुरुवार को जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूर्य उपासना कर भगवान सूर्य को विधायक कलेक्टर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने अर्घ्य दिया। इसके साथ ही राजा विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य का कलाकारों द्वारा मंचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहपुरा विधायक ओमप्रकाष धुर्वे ने लोगो को पाश्चात्य सभ्यता छोड़कर हिंदू सभ्यता अपनाने की अपील की। नर्मदा गंगा जल संवर्धन से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सूर्य भगवान सभी ग्रहों के स्वामी है, और आदमी तो स्वार्थी होता है। इसलिए सबसे पहले उनको प्रसन्न करने की कोशिश करता है। व्यक्ति को कर्म अच्छे करने चाहिए। गीता पुराण वेद सब में अच्छी चीजें लिखी हुई है। लेकिन आदमी उल्टा ही काम करता है। पढ़े लिखे लोग पाश्चात्य सभ्यता से जुड़े हुए है, हैप्पी न्यू ईयर बोलते है, हिंदू नववर्ष तो हमारा आज से शुरू होता है। अंग्रेजी नव वर्ष से पचास साल पहले से हिंदू नववर्ष विक्रम संवत की शुरुआत हो चुकी थी। हमारे नववर्ष में चारों तरफ हरियाली होती है, माता की उपासना होती है। मध्य प्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा है। इसलिए अभियान का नाम नर्मदा गंगा जल संवर्धन होना चाहिए।

राजा विक्रमादित्य नाट्य मंचन ने सबका मन मोहा

राजा विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य मंचन के द्वारा कलाकारों ने यह बताने की कोशिश की जिसमें राजा न्याय प्रिय और अपनी प्रजा का ध्यान रखने वाले थे। उन्होंने न्याय के लिए रानी पद्मिनी को देश निकाला दिया था। विक्रम संवत की शुरुआत उन्होंने की। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्यौहार, आदिवासी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चैधरी सहित अधिकारी कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता संपन्न खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने जीता दिल

डिंडोरी। "मेरा युवा भारत" के तत्वावधान में जिले में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुई। चंद्र विजय महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का संचालन जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह एवं लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रघुनंदन झारिया के मार्गदर्शन में किया गया जबकि अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य ए.एस. उद्दे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, उपाध्यक्ष सारिका नायक पार्षद स्मिता बर्मन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की।

प्रतियोगिता के अंतर्गत वॉलीबॉल, खो-खो, गोला फेंक तथा 100 व 200 मीटर दौड़ जैसी विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। समनापुर डिंडोरी बजाग और अमरपुर विकासखंडों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लिया।वॉलीबॉल में अमरपुर की टीम विजेता रही जबकि समनापुर उपविजेता रहा। खो-खो में कन्या शिक्षा परिसर बजाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक (बालक वर्ग) में समनापुर के नीरज पट्टा ने बाजी मारी वहीं डिंडोरी के रोहित शैयाम दूसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में हेमलता सिंग्राम विजेता और आसमी परस्ते उपविजेता रहीं।दौड़ प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 100 मीटर बालिका वर्ग में बजाग की यूनिशा उद्दे प्रथम और अमरपुर की हेमलता उद्दे द्वितीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में समनापुर के बहादुर मरावी ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अखिलेश उद्दे उपविजेता रहे।कार्यक्रम के सफल संचालन में संतोष कुमार राजस्ते कामता प्रसाद मनीष गायकवाड़ और प्रेम सिंह उद्दे का विशेष योगदान रहा। निर्णायक मंडल में सुनीता धुर्वे नारायण मरावी मिथलेश नर्ते गजेंद्र वर्मे दीपा मरकाम सूरज सिंह पट्टा सहित खेल शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को कप, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों को भी आयोजकों की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।अपने संबोधन में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। हर खिलाड़ी अपने प्रयास और साहस से विजेता बनता है। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि डिंडोरी के खिलाड़ी भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे।

डिंडौरी में अखिल विश्व गायत्री परिवार की जिला समन्वय समिति का पुनर्गठन

डिंडौरी। अखिल विश्व गायत्री परिवार डिंडौरी में संगठन को नई दिशा और मजबूती देने के उद्देश्य से जिला समन्वय समिति का पुनर्गठन किया गया। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम गायत्री शक्तिपीठ डिंडौरी में आयोजित हुआ, जहां सर्वसम्मति से पीसी चौरसिया को जिला समन्वयक का दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ भोपाल से पधारे जोन समन्वयक राजेश पटेल प्रदेश प्रभारी आरके गुप्ता, उपजोन समन्वयक अमरकंटक जेपी सिंह तथा उपजोन समन्वयक अमरकंटक सीआर अहिरवार की गरिमामयी उपस्थिति में समिति का पुनर्गठन संपन्न हुआ। इस दौरान संगठन को सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से केएस वर्मा को उपजोन समन्वयक का दायित्व सौंपा गया, वहीं 13 अन्य सक्रिय परिजनों को विभिन्न कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गायत्री परिवार के माध्यम से समाज में नैतिकता, संस्कार एवं जागरूकता का प्रसार किया जा रहा है। नवगठित समिति से अपेक्षा जताई गई कि वह इन उद्देश्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम का संचालन उपजोन समन्वयक अमरकंटक सीआर अहिरवार द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में जिले के विभिन्न अंचलों से पधारे परिजनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

घानाघाट शिविर में 63 हितग्राहियों को मिला लाभ, योजनाओं की दी गई जानकारी

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत घानाघाट में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला स्तरीय शिविर एवं जियो-टैगिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत के लगभग 70 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ वितरित किए गए। इसमें प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना, आजीविका एवं सहायता से संबंधित योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया। साथ ही दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, ई-रिक्शा, हाथ ठेला, छाता, पेंशन एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र सहित कुल 63 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे। अंत में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय तालाब में श्रमदान कर स्वच्छता कार्य भी किया

खबर संक्षेप

छात्रों का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

तेंदूखेड़ा विगत दिवस घोषित हुए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा कक्षा छठवीं में काचरकोना के अनुज पिता रामकेश पटेल गरिमा पिता प्रदीप खेरोनिया कृष्णा पिता रामसींग पटेल तथा साहिल पिता सुरेंद्र ठाकुर का चयन हुआ है। छात्रों की इस सफलता के पीछे जहां पालकों और स्वयं छात्रों की मेहनत परिश्रम रहा है वहीं इन छात्रों के मार्गदर्शक प्रशिक्षक महावीर कोचिंग के माध्यम से जसवंत पटेल का विशेष योगदान रहा है। छात्रों की सफलता पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

अनन्या पटेल का नवोदय विद्यालय में चयन

तेंदूखेड़ा विगत दिवस घोषित हुए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में बाल विद्या मंदिर गुटोरी की छात्रा अनन्या पटेल पिता लेखराम पटेल का चयन होने पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं।

संगीतमय श्री राम कथा आज से

तेंदूखेड़ा शक्ति साधना के महापर्व चेत्रीय नवरात्रि पर्व पर जगह जगह धार्मिक आयोजन अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।इसी श्रंखला के चलते समीपी ग्राम टेकापार में आज 20 मार्च से 26 मार्च तक संगीतमय श्री राम कथा पं कृष्णकांत शास्त्री के मुखारविंद से वर्णित की जायेगी।श्री राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित हो रही इस कथा में पधारने आयोजक मंडल ने अपील की है।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए पालिथिन को करें दरकिनार

तेंदूखेड़ा विगत दिवस सांदीपनि विद्यालय डोभी में ईको क्लब के अंतर्गत सतत जीवन शैली कार्यशाला का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजन के साथ शुरू हुई इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को पालिथिन मुक्त जीवन शैली अपनाने का संकल्प दिलाया गया। विद्यार्थियों द्वारा कपड़े के थैलों का निर्माण किया गया। सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश इस कार्यशाला में दिया गया तथा विद्यार्थियों को प्राचार्य अंजेश पटेल द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गये। एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

जगह-जगह खोदकर डाली जा रही सड़क

तेंदूखेड़ा बरमान तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग के बीच विभिन्न स्थानों पर पाइप लाइन डाले जाने को लेकर सड़क खोदकर केवल मिट्टी डाल कर छोड़ दी जा रही है। जिससे आने वाले समय में यात्रि बाहनों से लेकर दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी होगी।इस विषय को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को लिखित शिकायत कर उक्त गड्ढों में डामरीकरण कराने की मांग की गई है।

लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

स्वच्छता को अपनाकर स्वस्थ समाज का निर्माण करें: प्रहलाद सिंह पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि गांव-गांव तक नागरिकों के लिए शुद्ध पेयजल पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है, गांवों तक स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अब समय आ गया है कि सभी ग्रामीणजन मिलकर गांव की समस्याओं का निपटारा गांव में ही करें। उन्होंने कहा कि आज के इस पावन अवसर पर सभी संकल्प ले कि बरसात के पानी को व्यर्थ नहीं बहने देंगे, बरसात के पानी को गांव में ही रोकने का प्रबंध करेंगे, इससे गांव में पानी की कमी नहीं होगी। उक्ताशय के विचार मंत्री श्री पटेल ने जिले के करेली ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम देवाकछार में लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम में व्यक्त किए। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने 79.97 लाख रुपये की लागत से नल-जल योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने 17.30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले खेल मैदान और 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

लोग नशे का करें त्याग

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा, नशे की वस्तुओं का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि पहले गांव की दुकानों में किराना की सामग्री जरूरत के हिसाब से मिलती थी, लेकिन अब गांव में ही नशे की वस्तुएं मिलने की खबर आती है। यह खबर स्वस्थ समाज के लिए ठीक नहीं है। गांव में किसी भी प्रकार के नशे की वस्तुएं न बिके, इसके लिए सभी को संकल्प लेना होगा, जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों सहित सभी नागरिकों की है। गांव में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा

और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की चिंता करते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरू हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की ऐसी बस्तियां जहां न्यूनतम आबादी है, वहां भी पक्की सड़कों का निर्माण कार्य सरकार के द्वारा किया जाएगा।

नल जल योजना से मिलेगा शुद्ध पेयजल

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई नल-जल योजना से अब प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे जल जनित बीमारियों में कमी आई है। उन्होंने बताया कि अब इन योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित होगा। उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य करे। उन्होंने अपील की है कि पानी का दुरुपयोग न करें और सामूहिक रूप से जल संरक्षण के प्रयासों को आगे बढ़ाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध होता रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवनों का निर्माण किया गया है, ताकि विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन सुचारु रूप से हो सके।

स्वच्छता अपनाने पर दिया जोर

उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सभी को शासकीय संपत्तियों की देखभाल करनी चाहिए और स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण पर उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को खेल गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित करने की बात कही, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के तहत पंचायतों को लगभग एक करोड़ रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और विकास कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद एवं पात्र हितग्राहियों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत सभी पात्र परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके।

गौरैया को बचाने हेतु जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मनुष्य आधुनिकता का जीवन व्यतीत कर रहा है। मनुष्य की आधुनिकता एवं सुख व धन की लालसा कई जीवों पर संकट का कार्य कर रही है। जिसमें गौरैया भी शामिल है। समाजसेविका भारती कौरव ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार गौरैया चिड़िया की संख्या में 60 प्रतिशत तक कमी आई है। ग्लोबलाइजेशन के जमाने में तेजी से निर्माण हो रहे भवन सड़कें और इंडस्ट्रीज के कारण पेड़ पौधों की कटाई से इन पक्षियों के रैन बसेरा उजडते जा रहे हैं, साथ ही साथ मोबाइल टावर्स और मोबाइल से निकलने वाले रेडिएशन की वजह से इनकी प्रजनन क्षमता भी कम हो रही है। गोरैया को बचाने की दिशा में पहल और जागरूकता बहुत आवश्यक है। हमें जागरूकता अभियान के दौरान बताना होगा कि गौरैया, प्रजनन के दौरान अपने बच्चों को हानिकारक इल्ली और कीड़े खिलाती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। इनकी उपस्थिति एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है। इस तरह से वह पर्यावरण मित्र भी कहलाती है चूकि मार्च अप्रैल में ही गौरैयों का प्रजनन का समय होता है इसलिए हम सभी संकल्प लें और काम करना शुरू करें कि हमें किसी भी हाल में गौरैया को बचाना है और अपने घर की छत पर या किसी ऐसी जगह पर जहां पक्षियों के आने की संभावना होती है, वहां मिट्टी के बर्तन में पानी और गौरैया

के लिए दाना रखें। साथ ही घर में कोई ऐसा सुरक्षित कोना उनके लिए छोड़ दें जहां वे अपना घोंसला बना सकें और यदि घर में कोई ऐसा कोना उपलब्ध न हो तो आजकल मार्केट में लकड़ी के और घास फूस के आर्टिफिशियल घोंसले मिलते हैं जिन्हें लाकर हम अपने घर में लगा सकते हैं फिर आप पाएंगे कि आपका घर चिड़ियों की चहचहाहट से चहक उठेगा तभी हम गोरैया को बचा पाएंगे। भारती कौरव ने बताया कि मैंने अपने घर में यह आर्टिफिशियल घोसले लगाए हैं और चिड़ियों के लिए एक हरा भरा कोना तैयार किया है क्या आपने अपने घर में पक्षियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था की है यदि हां तो आप एक सच्चे पर्यावरण मित्र हैं।

नवरात्रि के प्रथम दिवस मां शैलपुत्री की हुई आराधना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरूवार से चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व प्रारंभ हो गया है। पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह की पहली किरण के साथ ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नगर के प्राचीन सदर मड़िया मंदिर में भी आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने मां को

जल अर्पित कर पूजा की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर को लेकर लोगों में गहरी आस्था है कि यहां मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। इसी कारण दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर भक्त घट कलश स्थापना भी कराते हैं। पुजारी ने आगे कहा कि यदि कोई भक्त सच्चे मन और श्रद्धा से मां भगवती का स्मरण करता है, तो मां उसकी पुकार अवश्य सुनती हैं और उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। यही कारण है कि देशभर में चैत्र नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

सेठ मनोहर लाल साहू समाज रत्न से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मां कर्मा देवी जयंती पर सरोज मनोहर सेवा संस्थान द्वारा नगर के वरिष्ठ नागरिक सेवानिवृत्त प्राचार्य नारायण प्रसाद साहू को सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि श्री साहू सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहते है। मनोकामेश्वर हनुमान मंदिर में प्रति मंगलवार चोला वंदन निरंतर किया जाता है। संस्थान के अध्यक्ष मिलिन्द मनोहर साहू एवं सचिव मयंक मनोहर साहू द्वारा बताया गया कि संस्थान द्वारा पर्यावरण, शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के दिशा मे कार्य करेगा। मां कर्मा देवी जयंती के उपलक्ष्य में संस्थान के प्रारंभिक पदाधिकारी, डॉ. के के साहू, डॉ. के एल साहू, एड. सुनील कुमार साहू, ईश्वरदास साहू, शांतनु साहू द्वारा नारायण प्रसाद साहू को जीवन पर्यन्त भावपूर्ण, उत्कृष्ट समाज सेवा में पूर्ण योगदान व व्यक्तिगत गुणों के लिए सेठ मनोहर लाल साहू समाज रत्न 2026 प्रशस्ति पत्र, श्रीफल, अंग वस्त्र, नगद राशि व पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्तरीय अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुआ सम्मान

गोटेगांव। संत शिरोमणि माँ कर्मा जयंती के उपलक्ष्य में 18 मार्च को छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन इकाई द्वारा 5वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद विवेक बंटी साहू (छिंदवाड़ा-पांढुर्ना) अध्यक्ष रहे। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरारी गुप्ता (मुंबई) एवं विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अशोक साहू, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू (छत्तीसगढ़), रामललित गुप्ता (गुजरात), एडवोकेट भावना साहू (इंदौर), प्रदेश अध्यक्ष द्वारका साहू (उज्जैन), सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्र साहू (छिंदवाड़ा) एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री गिरीश साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नरसिंहपुर जिले से जिला अध्यक्ष भगवानदास बीड़ी साहू, आर.के. साहू, ओमप्रकाश साहू (गाडरवारा), पत्रकार आशीष साहू (गोटेगांव) सहित अन्य पदाधिकारियों को आयोजन समिति द्वारा फूलमाला व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।सामूहिक विवाह सम्मेलन में 31 जोड़ों का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। नवविवाहित जोड़ों को मोटरसाइकिल, फर्नीचर, कूलर, बर्तन, घड़ी एवं धार्मिक ग्रंथ सहित विभिन्न उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भव्य भोजन व्यवस्था भी की गई, जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना की।

सुरक्षाकर्मी की आवश्यकता

टोल प्लाजा सरसडोल NH-45 राजमार्ग नरसिंहपुर मध्य प्रदेश पर एक EX सर्विसमैन (रिटायर्ड भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल) की आवश्यकता जो उम्मीदवार काम करने का इच्छुक है वह संपर्क करें।
टोल प्लाजा सरसडोल NH-45, राजमार्ग नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश
मैनेजर मोबाइल नंबर
6392550896

गायत्री शक्तिपीठ द्वारा सामूहिक गर्भ संस्कार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस आओ गढ़े संस्कारवान पीढी शांतिकुंज के तत्वावधान में पूरे मध्य प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में सामूहिक गर्भ संस्कार संपन्न हुआ। गायत्री शक्ति पीठ द्वारा 31 गर्भवती बहनों का गर्भाधान संस्कार किया गया। जिसमें श्रीमती ओमवती मालवीय एवं श्रीमती माधुरी यादव द्वारा सभी का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया अतिथी सम्माननीय बहनों श्रीमती मिथिलेश शर्मा, श्रीमती हेमलता शर्मा, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती ज्योति तिवारी, श्रीमती शकुन नामदेव एवं श्रीमती भारती दीक्षित द्वारा दीप प्रज्वलन कर देव मंच पूजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती बहनों को गायत्री महामंत्र का दुपट्टा पहनाकर तिलक वंदन कर गायत्री महामंत्र लेखन एवं आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी की पुस्तिका प्रदान की गई गर्भवती बहनों का संस्कार संपन्न कराती हुई बहनों गायत्री परिवार ट्रष्टि श्रीमती मंजू श्रीवास्तव एवं श्रीमती मिथिलेश सोनी द्वारा स्वस्थ एवं संस्कारवान संतान प्राप्ति हेतु गर्भवती बहनों कोआहार बिहार आदर्श दिनचर्या, ध्यान, गर्भ विज्ञान एवं संस्कार के बारे में बताया गया, गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर में चलाये जा रहे सभी अभियान एवं माता भगवती देवी जी की जन्म शताब्दी में होने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में अनुयाज समिति प्रमुख राम शंकर वर्मा के द्वारा जानकारी दी गई। उक्त अवसर पर गायत्री परिजन रिद्धि श्रीवास्तव मीनाक्षी चैरसिया सुनीता शर्मा मिथिलेश भार्गव रीना विश्वकर्मा श्रीमती भगवती रायमाधुरी राय के अलावा नगर की सैकड़ो मातृ शक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

महिलाओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम कुम्हडाखेड़ा स्थित बंजारी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि एवं नववर्ष के अवसर पर महिला मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।महिलाओं ने माँ दुर्गा की आराधना के साथ पॉलिथीन त्यागकर कपड़े की थैलियों के उपयोग का निर्णय लिया। साथ ही जल, वायु और भूमि को स्वच्छ रखने, व्यक्तिगत बर्तनों के उपयोग और बीज रोपण के माध्यम से हरियाली

बढ़ाने का संकल्प लिया। महिलाओं ने 'अर्थ आवर' अभियान के तहत 28 मार्च को रात्रि 8:30 से 9:30 बजे तक बिजली बंद रखने का निर्णय भी लिया।महिला मंडल ने संदेश दिया कि सच्ची भक्ति तभी सार्थक है, जब हम प्रकृति की रक्षा करें और पर्यावरण संरक्षण को अपना कर्तव्य बनाएं।

योजना के नाम पर राशि की बर्बादी, स्वच्छता परिसर पड़े वीरान

गोटेगांव। जनपद पंचायत गोटेगांव अंतर्गत ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये की लागत से बने स्वच्छता परिसर उपयोग के अभाव में बेकार पड़े हैं।इन परिसरों का निर्माण ऐसे स्थानों पर किया गया है जहाँ आम लोगों की पहुंच कठिन है। कई जगहों पर पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं, जिससे इनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्राम पंचायत कमती में श्मशान घाट के पास बने परिसर में पानी की व्यवस्था नहीं है, वहीं पीएम आवास कॉलोनी में बना परिसर भी अनुपयोगी है। ग्राम श्रीनगर में गौशाला के पास स्थित परिसर का लाभ सीमित लोगों तक

ही सीमित है। इन स्थितियों ने पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली और सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े कर दिए हैं।